E-Learning Study Material

By Prof (DR) YADWENDRA SINGH
MAHARAJA COLLEGE, ARA
VKS UNIVERSITY, ARA, BIHAR

BA Part 1st Economics Hons

Paper 1st

Basis of Consumer's Surplus :-
उपभोक्ता की बचत का आधार :-

उपभोक्ता की बचत का मुख्य आधार उपयोगिता नियम है। जैसा कि हमें मालूम है, उपयोगिता ह्रास नियम के अनुसार, उपभोक्ता ज्यों-ज्यों वस्तु का उपभोग करता है, त्यों-त्यों वस्तु से मिलने वाली अतिरिक्त उपयोगिता घटते हुए क्रम में प्राप्त होती है। यही कारण है कि एक उपभोक्ता उपभोग की जानेवाली वस्तु की प्रथम इकाई के लिए अन्य इकाइयों की अपेक्षा अधिक त्याग करना चाहता है, क्योंकि पहली इकाई की उपयोगिता बाद की इकाइयों से अधिक होती है, परन्तु उपभोक्ता सभी इकाइयों का समान मूल्य (Equal Price) देता है। उपभोक्ता का यह क्रम तब तक चलता रहता है, जब तक वस्तु से प्राप्त होने वाली सीमान्त उपयोगिता (Marginal Utility) बाजार मूल्य (Market Price) के बराबर नहीं हो जाती है। उपभोग के इस क्रम में सीमान्त इकाई से पूर्व की सभ

इकाइयों की सीमान्त उपयोगिता कीमत से अधिक होती है। इसलिए उपभोक्ता को सीमान्त इकाई से पूर्व की प्रत्येक इकाई से कुछ न कुछ बचत अवश्य प्राप्त होती है। यही उपभोक्ता की बचत है।

उपभोक्ता की बचत की मान्यताएँ :-

प्रो० मार्शल ने उपभोक्ता की बचत की व्याख्या के अन्तर्गत ~~निम्न~~ निम्नलिखित मान्यताओं को माना है :-

1. उपयोगिता मापनीय है- मार्शल ने उपयोगिता को द्रव्य में मापनीय माना है। उनके अनुसार, हम जिस वस्तु को क्रय करने के लिए जितना मूल्य (द्रव्य) देना चाहते हैं वह मूल्य (द्रव्य) ही उस वस्तु की उपयोगिता कही जायेगी।
2. वस्तु विशेष का स्वतंत्र महत्व :- मार्शल के अनुसार प्रत्येक वस्तु का अपना स्वयं का महत्व होता है, और उसकी प्रकृति भी स्वतंत्र होती है। एक वस्तु की पूर्ति व उपयोगिता दूसरी वस्तु की पूर्ति व उपयोगिता को प्रभावित नहीं कर सकती है।
3. मुद्रा की सीमान्त उपयोगिता का स्थिर रहना :- समसीमान्त उपयोगिता तथा उपयोगिता ह्रास नियम के अन्तर्गत द्रव्य की सीमान्त उपयोगिता को यथास्थिर मान लिया गया था। ठीक इसी प्रकार यहाँ भी द्रव्य की सीमान्त उपयोगिता को यथास्थिर मान लिया गया है।

4. पूर्ण प्रतियोगिता की धारणा - उपभोक्ता की बचत के लिए अर्थ व्यवस्था में पूर्ण प्रतियोगिता की कल्पना की गयी है। क्रेता और विक्रेता को बाजार का पूर्ण ज्ञान होना चाहिए तथा वस्तुएँ समान आकार-प्रकार की होनी चाहिए। जिन वस्तुओं का उपयोग किया जाता है उन वस्तुओं की कीमत भी समान होनी चाहिए और कोई भी क्रेता व विक्रेता वस्तु के मूल्य को प्रभावित नहीं कर सकता है।

5. स्थानापन्न वस्तु (Substitutes) का अभाव:- मार्शल की मान्यता के अनुसार, उपभोग की जाने वाली वस्तु की स्थानापन्न वस्तु नहीं होती है। यदि स्थानापन्न वस्तु है भी तो उस स्थानापन्न वस्तु को भी प्रमुख वस्तु के रूप में मान लिया जाना चाहिए।

6. उपयोगिता ह्रास नियम का लागू होना :- मार्शल ने उपभोक्ता की बचत का आधार सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम को माना है। जब तक उपयोगिता ह्रास नियम क्रियाशील नहीं होता तब तक उपभोक्ता की बचत नहीं होगी।

उदाहरण द्वारा उपभोक्ता की बचत की व्याख्या
Explanation of Consumer's Surplus with Illustration :-

उपभोक्ता की बचत के ~~सिद्धान्त~~ सिद्धान्त को हम एक उदाहरण द्वारा स्पष्ट कर सकते हैं।